जे.डी.ए. से रिलीव होने के 13 दिन बाद भी दिनेश कूकना ने नहीं संभाली जलदाय विभाग की कुर्सी

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव के आदेशों की पालना की भी परवाह नहीं की

-कार्यालय संवाददाता-

- हाऊसिंग बोर्ड में भी एक्स.ई.एन. रामनिवास सिंघल और गीताराम मीणा कोर्ट स्टे की आड़ में पुरानी कुर्सी पर कार्यरत
- हैरानी की बात है कि पिछले 6 माह में जलदाय विभाग ने इन अफसरों द्वारा ट्रिब्यूनल से लिया गया स्टे खारिज करवाने का कोई प्रयास ही नहीं किया

जयपुर । जेडीए से रिलीव होने के बाद भी जलदाय इंजीनियर दिनेश कूकना अपनी मनमर्जी चलाने में लगे है, शायद इसीलिए बीते 13 दिनों में उन्होंने अधिशाषी अभियंता, कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) का पदभार नहीं संभाला है। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे उन्हें जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत के आदेशों की कोई परवाह ही नहीं है।

यूँ तो गत 15 जनवरी को ही जलदाय विभाग ने दिनेश कूकना समेत 234 अधिकारियों का तबादला किया था। परंतु इस आदेश की पालना करने के बजाय कुछ इंजीनियर्स कोर्ट स्टे लेकर अपनी पुरानी कुर्सी पर ही बने रहना चाहते थे। इनमें जेडीए के इंजीनियर दिनेश कूकना और राजस्थान आवासन मंडल के एक्स.ई.एन रामनिवास सिंघल और लखन सिंह मीणा थे। हालांकि करीब 5 माह बाद लखन सिंह तो अपने नए पद पर चले गए, परन्तु ट्रिब्यूनल स्टे की आड़ लेकर सिंघल वहीं रह गए। इसके साथ ही एक अन्य इंजीनियर गीताराम मीणा भी अब कोर्ट स्टे की आड़ में हाउसिंग बोर्ड में टिके हुए है, परन्तु इन सभी के खिलाफ ना तो जलदाय विभाग ने कोई एक्शन लिया और ना ही कोर्ट स्टे हटवाने का प्रयास किया।

उधर जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत की कड़ी नाराजगी और जेडीसी को लिखे पत्र के बाद, आयुक्त आनंदी ने गत 9 जून को दिनेश कूकना को जेडीए से रिलीव कर दिया था, परन्तु कूकना ने आज तक जलदाय विभाग के आदेश की पालना नहीं की। ऐसे में अधिशाषी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) जयपुर का पद आज भी खाली पड़ा हुआ है। पिछले 5 माह में कूकना ने अपना ट्रांसफर रुकवाने के लिए कई जतन किये। पहले "राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर" से स्टे लेना चाहा, वहां बात नहीं बनी तो राजस्थान उच्च न्यायालय पहुंच गए, वहां फटकार पड़ी तो रिट याचिका वापस ली। इस बीच अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत की नाराजगी के बाद जेडीए ने 9 जून को उन्हें रिलीव किया।

इस रिलीव आदेश में भी साफ़ लिखा था कि, "जलदाय विभाग के संयुक्त शासन सचिव प्रथम की ओर से 15 जनवरी के तबादला आदेश और अतिरिक्त मुख्य सचिव के 28 मई के पत्र की पालना में जेडीए में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापित दिनेश कुमार कूकना को अधिशाषी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्लू) के लिए कार्य मुक्त किया जाता है।"

इसी प्रकार राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की बात करें तो वहां कार्यरत अधिशाषी अभियंता रामनिवास सिंघल का तबादला 15 जनवरी के इसी आदेश में आर.यू.आई.डी.पी. में किया गया था, परन्तु सिंघल भी यह कुर्सी नहीं छोड़ना चाहते थे। इसलिए सिंघल ने जलदाय विभाग को आँखे दिखाते हुए तबादला आदेश के खिलाफ "राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर" में अपील दायर कर दी। इसमें सिंघल की ओर से कहा गया कि, वह राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं और जलदाय विभाग ने उनका तबादला आर.यू.आई.डी.पी. में करने से पूर्व उनसे सहमति प्राप्त नहीं की, जो कि गलत है। इस पर ट्रिब्यूनल अध्यक्ष विकास सीतारामजी भाले ने जनवरी माह के आदेश पर स्टे दे दिया, परन्तु उन्होंने साथ में यह भी कहा कि जलदाय विभाग नियमानुसार नए सिरे से स्थानांतरण करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिसमे यह स्थगन आदेश बाधक नहीं होगा। ऐसे में जलदाय विभाग के पास अन्य आदेश जारी करने की पूरी छूट दी, परंतु विभाग के अफसरों ने ऐसा कोई कदम ही नहीं उठाया।

जब इस पूरे मामले की भनक जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी को लगी तो उन्होंने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए 15 जनवरी के तबादला आदेशों की 100 प्रतिशत पालना सुनिश्चित करवाने के आदेश दिए। जिस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत ने संयुक्त शासन सचिव को इस सम्बन्ध में एक्शन लेने को कहा।

परन्तु हैरानी की बात यह है कि 6 माह का समय बीत जाने के बाद भी जलदाय विभाग ने ना तो स्टे लेने वाले अफसरों के खिलाफ कोई अदालती पैरवी कर स्टे हटवाने का प्रयास किया और न ही इनके खिलाफ कोई एक्शन लिया। इसका असर यह हुआ कि राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने जब जलदाय विभाग के 3 इंजीनियर्स गीताराम मीणा, सुदर्शन दयाल और रामकेश मीणा की प्रतिनियुक्ति सेवाएं रद्द की तो उनमें से एक एक्सईएन गीताराम मीणा भी ट्रिब्यूनल से स्टे ले आए। अब हालत यह है कि कोर्ट स्टे की आड़ में यह इंजीनियर्स अपनी पुरानी कुर्सी ही संभाले बैठे है।

सार-समाचार

बोहरा ने किया सामुदायिक भवन का लोकार्पण

जयपुर। जयपुर के पूर्व सांसद रामचरण बोहरा ने किशनपोल विधानसभा क्षेत्र की आजाद नगर बस्ती में सांसद निधि की 20 लाख रुपए की राशि से संपन्न हुए सामुदायिक भवन के नवनिर्माण कार्य का लोकार्पण कर भवन क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। रामचरण बोहरा ने अपने पिछले कार्यकाल में क्षेत्र वासियों की मांग पर इस सामुदायिक भवन के नवनिर्माण के लिए अपने सांसद कोष से 20 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की थी। बोहरा ने कहा कि यह सामुदायिक भवन क्षेत्रवासियों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक आयोजनों हेतु एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध होगा। इस अवसर पर विधायक प्रत्याशी चंद्र मनोहर बटवाड़ा, राज नंदवाना, मंडल अध्यक्ष कपिल गुर्जर सहित स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

ब्रह्मयोग शिविर में जुटे 500 साधक

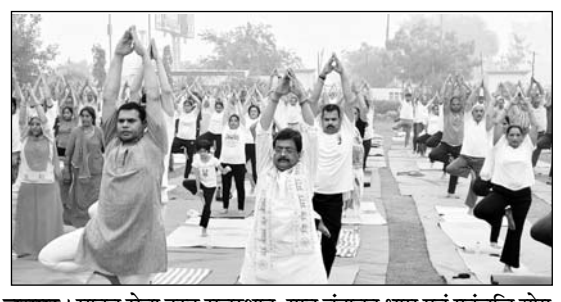

जयपुर । मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान, गुप्त वृंदावन धाम एवं पतंजलि योग समिति ने जगतपुरा स्थित मथुरा गार्डन में ब्रह्मयोग शिविर का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें 500 से अधिक योग प्रेमियों, साधकों, स्थानीय नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग प्रशिक्षक दीपिका जैन एवं प्रियकांत गौतम ने योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं जीवनशैली सुधार पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च के चिकित्सक, वरिष्ठ आचार्य एवं ट्रस्ट सदस्य व मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि यह अनूठा आयोजन न केवल योग का, बल्कि एक गहरे आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र बना, जिसने सभी प्रतिभागियों के हृदय को छू लिया व हर पल को यादगार बना दिया। ट्रस्ट प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य योग के माध्यम से शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर स्वस्थ समाज की स्थापना करना रहा। इस अवसर पर डॉ. निर्मल जैन, सदस्य - राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद, परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली, डॉ. सरिता गुर्जर, राज्य प्रभारी पतंजलि योग समिति, विक्रम कांवत, दुर्गा वर्मा,संगीता सक्सेना, मनीष लालवानी, दिनेश आलोरिया, सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सिलाई प्रशिक्षण शिविर का समापन

जयपुर । प्रोफेसर डॉ. राधा गुप्ता एवं डॉ प्रहलाद कुमार गुप्ता द्वारा स्वयं के संसाधनों से संचालित शिक्षा सागर सेवा विद्यालय द्वारा भारत विकास परिषद्, जयपुर महानगर शाखा के सहयोग से 18 मई से संचालित सिलाई प्रशिक्षण शिविर के प्रथम बैच का समापन 21 जून को, अंतराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। दूसरे बैच प्रारंभ हो गया है जिसमें सिलाई प्रशिक्षण प्रतिदिन सायंकाल 4 से 6 बजे तक होगा। शिविर में 13 बालिकाओं ने सिलाई (समीज,सलवार कुर्ता, टापर, अम्ब्रैला कट फ्रांक, प्लाजो, ब्लाउज, पाजामा, अंडरवीयर, पेटीकोट, फाल लगाना, पीकू करना, रफू करना, पैबंद लगाना, कटे-फटे कपड़े को हाथ से व मशीन से सिलना, काज- बटन, तुरपन, बखिया आदि) सीखी। इनको भारत विकास परिषद् द्वारा प्रमाण पत्र, सिलाई किट एवं स्टील की पानी की बोतल उपहार में दिए गए। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी बच्चों ने एडी से नेत्रों तक के सभी जोड़ों के सरल व्यायाम, 40 तरह के आसनों एवं सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया। समारोह में उपस्थित सभी बच्चों व अभिभावकों को मिल्करोज एवं बिस्किट्स वितरित किए। डॉ. प्रहलाद कुमार गुप्ता ने बताया कि सेवा विद्यालय में निर्धन परिवारों के 4 वर्ष से 12 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिदिन सायंकाल 2 घंटे निशुल्क अध्यापन, योगासन एवं भारतीय संस्कारों की शिक्षा दी जाती है।

चलती ट्रेन से गिरने से युवक की मौत

जयपुर । बिंदायका इलाके में रविवार को रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक की चलती ट्रेन से नीचे गिरने से पोल से सिर टकराने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवा कर मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। एसआई मोहन सिंह ने बताया कि हादसा धानक्या रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित रेलवे फाटक के पास हुआ। जहां रविवार सुबह रेलवे ट्रैक के पास युवक की लहूलुहान हालत में लाश मिलने पर सनसनी फैल गई। मौके पर जुटी भीड़ ने पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। पुलिस ने सूचना पर पहुंचकर मौका-मुआयना किया। मृतक की पहचान के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी।

विपिन गोयल बने संरक्षक

जयपुर । राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ की ओर से जयपुर के एक होटल में स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के कई जिलों से महासंघ के सदस्य और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। महासंघ प्रदेश अध्यक्ष रमन पारीक ने बताया कि समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों के सर्वसम्मत निर्णय अनुसार सरदारशहर निवासी निजी सचिव विपिन गोयल को महासंघ का आजीवन संरक्षक मनोनीत किया गया। संरक्षक मनोनीत होने पर गोयल ने महासंघ को पूर्व की भांति हरसंभव सहयोग करने की वचनबद्धता प्रकट की और 21 सितंबर 2025 को बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय संगम कार्यक्रम की सफलता का आव्हान किया। पारीक ने बताया कि विशेष अनुरोध पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डीओपी सेक्रेटरी के.के.पाठक और भाजपा प्रवक्ता अपूर्वा सिंह ने भी स्नेह मिलन समारोह में अतिथि के रूप में भाग लिया। महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार जटिया ने समारोह में पधारे हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया।

टूटी सड़कों पर पेचवर्क करवायेगा जे.डी.ए. प्रशासन

जयपुर । मानसून की पहली बारिश में उधड़ी सड़कों को सुधारने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन जुट गया है। जल्द ही शहरभर में पेचवर्क का कार्य शुरू किया जायेगा, ताकि आमजन को सड़कों में बने गड्ढों से निजात दिलाई जा सके।

आयुक्त आनंदी ने बताया कि जयपुर शहर में गत दिनों हुई वर्षा के चलते कई प्रमुख रास्तों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गयी है, इससे आवागमन में लोगों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। इस स्थिति को देखते हुए क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए पेचवर्क करवाने के निर्देश दिए गए है। जेडीए की प्राथमिकता है कि शहरवासियों को बेहतर सड़कें उपलब्ध कराई जाएं। पेच रिपेयर कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू संचालन हो रहा है।

तीन पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सहित 9 पर आरोग्य पथ जाम करने का मामला दर्ज

जयपुर । जोधपुर के डॉ. राकेश बिश्नोई खुदकुशी मामले को लेकर सरकार ने परिजनों की मांगें मान ली और उसके बाद मामला शांत हो गया है। लेकिन इस मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन करने वाले युवा नेताओं की मुश्किलें फिलहाल खत्म होती नहीं दिख रही है। सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन करने के मामले में पुलिस ने एसएमएस थाने में एक मुकदमा दर्ज किया है। इसमें तीन पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सहित नौ लोगों को आरोपी बनाया है।

एसएमएस थाने में दर्ज इस मामले की जांच मोतीडूंगरी थानाधिकारी अजयकांत रतूडी को सौंपी गई है। एसएमएस थानाधिकारी बलवीर सिंह ने बताया कि डॉ राकेश बिश्नोई की मौत के मामले में पिछले दिनों एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान 21 जून को पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी, अनिल चौपड़ा, विनोद जाखड़, श्रवण चौधरी, सोहन जांगिड़, शोएब, विकास विधुड़ी, कुलदीप चारण और जय राव ने अपने समर्थकों से आरोग्य पथ जाम करने का आव्हान किया। इसके बाद आरोग्य पथ करीब पांच घंटे जाम रखा गया। जिससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी हुई। गौरतलब है कि डॉ. राकेश बिश्नोई के खुदकुशी मामले में परिजनों को न्याय दिलाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर पिछले दिनों एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान टैंट लगाने की बात को लेकर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी और पुलिस के बीच गहमा-गहमी भी हुई थी। हालांकि, बाद में परिजनों और सरकार के बीच सहमति बनने पर धरना-प्रदर्शन खत्म हो गया। धरना-प्रदर्शन को लेकर मुकदमा दर्ज होने के बाद निर्मल चौधरी सहित अन्य की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या

- जयसिंहपुरा खोर इलाके में दिनदहाड़े हुई वारदात

जयपुर । जयसिंहपुरा खोर इलाके में पत्थर से सिर कुचलकर एक युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। पुलिस ने हत्या में प्रयोग किए खून से सने मिले मोटे पत्थर को जब्त किया है। पुलिस ने सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस जानकारी में सामने आया कि ड्यूटी पर जाते समय बदमाशों ने जानलेवा हमला किया था। हमला करने वाले बदमाश युवक की पत्नी के रिश्तेदार हैं, जो लव मैरिज करने से नाराज थे। पुलिस हत्या के शक में ससुराल पक्ष के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर सैकंड) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर के पशु हटवाड़ा निवासी 27 वर्षीय गोविंद प्रजापत की हत्या हुई है। सालभर पहले उसने परसवाली ढाणी निवासी पायल सैनी से लव-मैरिज की थी। उसके बाद गोविंद अपनी पत्नी पायल के साथ परसवाली ढाणी के पास सप्तऋषि कॉलोनी में मकान बनाकर रह रखा था। गोविंद के घर और ससुराल में सिर्फ एक किलोमीटर की दूरी थी। पिछले लम्बे समय से गोविंद जलेब चौक के पास चाय की दुकान चला रहा था। जो शनिवार को रोज की तरह गोविंद बाइक लेकर घर से निकला था। दुकान पर जाते समय अज्ञात हमलवारों ने पशु हटवाडा चौकी के पास घेर कर गोविंद पर हमला किया। दिनदहाड़े हमलावरों ने रोड पर पटककर गोविंद से मारपीट करते हुए पत्थर से गोविंद का सिर कुचलकर हत्या कर दी। लोगों की सूचना पर पुलिस के पहुंचने से पहले ही हत्यारे फरार हो गए। पुलिस को गोविंद के पास एक बैग मिला। जिसमें पासबुक, पैसे और गले में पहनने का जंतर है। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए। लाश के पास मिले खून से सने बड़े पत्थर को जब्त किया गया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। वहीं हत्या के संबंध में आरोपितों की पकडने के लिए एसीपी चंद्र प्रकाश के नेतृत्व में आधा दर्जन का गठन किया गया है और साथ ही सदिग्धों को हिरासत में लकर पूछताछ की जा रही है। इस मामले में जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करेगी। थानाधिकारी मुकेश मीना ने बताया कि मृतक की मां रजनी प्रजापत ने गोविंद के ससुराल पक्ष के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है कि गोविंद और पायल ने अपनी मर्जी से लव-मैरिज की थी। इससे पायल के घरवाले नाराज चल रहे थे। उन्होंने कई बार गोविंद और हमारे परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। उन्हे शक है ड्यूटी जाते समय गोविंद ही हत्या रणजीत, ओमप्रकाश, अजय व उनके अन्य परिवार वालों ने मिलकर की है। पुलिस ने हत्या के शक में गोविंद के सुसराल पक्ष के कुछ लोगों को पकड़ा

आमसभा में होटल-रेस्टोरेंट प्रतिनिधियों ने किया संवाद

जयपुर (कासं)। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान ने शनिवार को आईटीसी राजपुताना, जयपुर में अपने 35वें स्थापना दिवस और वार्षिक आम सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर राज्यभर से प्रमुख होटल व्यवसायियों, संरक्षकों, सरकारी अधिकारियों और सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस बैठक की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला ने की, जिनके साथ वर्तमान अध्यक्ष तरुण बंसल, सचिव अधिराज शापुरा और कोषाध्यक्ष असीम पारख मंच पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ संरक्षक एच.एस. पाली, भिंम सिंह, एवं पूर्व अध्यक्ष अपूर्व कुमार, अजय अग्रवाल, अजीत बंसल और रिशीपाल भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अब तक की यात्रा और भविष्य के लिए अपने विचार साझा किए। राज्य के विभिन्न हिस्सों जैसे, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और अलवर - से सदस्य विशेष रूप से इस आयोजन में भाग लेने जयपुर पहुंचे, जिससे एसोसिएशन की व्यापक पहुँच और एकजुटता स्पष्ट रूप से देखने को मिली। आमसभा के दौरान वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें एसोसिएशन की उपलब्धियाँ, गतिविधियाँ, नीतिगत प्रयास, और सरकार के साथ सहयोगों की जानकारी दी गई। आगामी योजना और विज़न भी साझा किया गया।

"यूनिटी मॉल और राजस्थान मंडपम किसी वन क्षेत्र में नहीं, बल्कि रीको की जमीन पर बनाया जा रहा है"

- रीको प्रशासन का कहना है कि "यूनिटी मॉल" केन्द्र सरकार की परियोजना है, जो कि "वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट" को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है।
- इसी प्रकार "राजस्थान मंडपम" की घोषणा राज्य सरकार द्वारा गत बजट में की गई थी। यह राज्य का एक ऐसा कन्वेन्शन सेंटर होगा, जो जयपुर को वैश्विक व्यापार और सम्मेलन मानचित्र पर स्थापित करेगा। यहां एक ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर की भी योजना है।
- रीको प्रशासन का कहना है कि, "यह जमीन शुरू से निजी खातेदारी की थी, वर्ष 1982 से 1984 के बीच हितधारकों को राज्य सरकार द्वारा मुआवजा देकर रीको को सौंपी गई थी। कुछ लोग इसे वन क्षेत्र बताकर भ्रामक अफवाह फैला रहे हैं"

जयपुर (कासं)। राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन लि. (रीको) द्वारा जयपुर में दो महत्वपूर्ण सार्वजनिक परियोजनाएं "यूनिटी मॉल" और "राजस्थान मंडपम" विकसित की जा रही है। यूनिटी मॉल, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना है, जबकि राजस्थान मंडपम राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसकी घोषणा गत बजट में की गयी है।

रीको प्रशासन ने बताया है कि, इन दोनों परियोजनाओं को लेकर कुछ लोगों द्वारा भ्रामक प्रचार किया जा रहा है कि, यह परियोजनाएँ वन भूमि या जैव विविधता युक्त क्षेत्र में निर्मित हो रही हैं और हजारों पेड़ काटे जा रहे है। रीको प्रशासन ने इन दोनों योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की है।

रीको प्रशासन के मुताबिक, जिस भूमि पर दोनों परियोजनाएँ विकसित हो रही हैं, वह कभी भी वन भूमि, आरक्षित भूमि या जैव विविधता क्षेत्र घोषित भूमि नहीं रही हैं। यह जमीन प्रारंभ से ही निजी खातेदारी भूमि है, जिसे राजस्थान भूमि अर्जन अधिनियम 1953 के प्रावधानों के 214 अन्तर्गत औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए रीको के अनुरोध पर राजस्थान सरकार ने हितधारियों को मुआवजा भुगतान कर अधिग्रहित करके रीको सौंपा गया था। यह भूमि न तो कभी राजस्व रिकॉर्ड में वन के रूप में दर्ज थी और न ही किसी वन अधिनियम के अंतर्गत आती है।

रीको प्रशासन के मुताबिक, संबंधित भूमि की अधिग्रहण प्रक्रिया राजस्थान भूमि अर्जन अधिनियम, 1953 के अंतर्गत वर्ष 1982 से 1984 के बीच ही संपन्न हो चुकी थी। वर्ष 1988 में यह भूमि जैम स्टोन औद्योगिक पार्क के लिए औद्योगिक उपयोग हेतु आवंटित की गई थी, परन्तु आवंटन व लीज निरस्त कर दी गयी। इस भूमि को बाद में जयपुर के मास्टर प्लान 2025 में आवासीय उपयोग के लिए दिखाया गया। रीको ने मास्टर प्लान के विरुद्ध आपत्ति दर्ज कराई और वर्ष 2017 में पुन: इसे औद्योगिक उपयोग के रूप में अधिस्वीकारित किया गया। इन परियोजनाओं के विकास में मास्टर प्लान, भवन उपनियमों अथवा अन्य किसी कानूनी या पर्यावरणीय प्रावधानों का उल्लंघन नहीं किया जा रहा है।

पिछले दिनों से कुछ लोगों द्वारा भ्रामक अफवाह फैलायी जा रहा है कि, इस भू-भाग पर "हजारों पेड़" लगे हैं और यहां "सैकड़ों वन्य जीव" निवास करते हैं और इन परियोजनाओं के निर्माण से पर्यावरण को विनाश होगा। यह तथ्य पूरी तरह आधारहीन एवं मनगढन्त है। लंबे समय तक भूमि का उपयोग नहीं होने से कुछ पौधे व झाड़ियां स्वत: उग आयी हैं तथा कुछ पेड पूर्व से ही अवस्थित हैं। मौके पर जो पेड अवस्थित हैं, उन्हें विधिवत प्रक्रिया अपनाकर शिफ्ट करने की अनुमति सक्षम स्तर से ली जाकर ही किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को अपनाकर ही निर्माण किया जायेगा। जिस स्थान पर "यूनिटी मॉल" का निर्माण किया जा रहा है, वह सम्पूर्ण भूमि मौके पर खाली है, वहां कोई जैवविविधता नहीं है। भूमि पर लगे वृक्षों की यथासंभव सुरक्षा की जा रही है एवं परियोजना को डिजाइन इस प्रकार किया गया है कि अधिकाधिक वृक्षों को यथास्थान रखा जा सके। जिन वृक्षों को हटाना परियोजना के लिये आवश्यक है,उन्हें हटाते हुये माननीय राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के आदेशों के अनुसार 10 गुणा पेड लगाये जायेंगे।

इस संदर्भ में यह स्पष्ट किया जाता है कि इस भूमि को वन भूमि आदि घोषित करवाने के उद्देश्य से एक जनहित याचिका डी.बी. सिविल रिट संख्या 14635/2023, उनवान "लोक संपत्ति संरक्षण संस्थान बनाम राज्य सरकार एवं अन्य राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में प्रस्तुत की गई थी। इस याचिका को उच्च न्यायालय ने 27 सितंबर 2024 को यह स्वीकार करते हुये कि प्रश्नगत भूमि औद्योगिक श्रेणी की है, खारिज कर दिया गया। साथ ही, याचिकाकर्ता पर भ्रामक और महत्वपूर्ण तथ्यों को छुपाते हुए याचिका दायर करने के कारण एक लाख रूपये का जुर्माना भी लगाया गया।

इसके अतिरिक्त एक अन्य प्रकरण संख्या 115/2023, उनवानी कोमल श्रीवास्तव एवं अन्य बनाम पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं अन्य, माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.), भोपाल के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इस प्रकरण को भी अधिकरण द्वारा 18 सितंबर 2023 को निस्तारित किया जा चुका है तथा वन एवं जैव विविधता के तथ्य को नहीं माना गया है।

गौरतलब है कि राज्य के वर्ष 2021-22 के बजट में जयपुर को देश में फिनटेक सिटी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से फिनटेक पार्क की घोषणा की गई थी, जिसकी पालना में इसी भूमि पर फिनटेक पार्क स्थापित किया जाना प्रस्तावित था।

यहां यह उल्लेखनीय है कि यूनिटी मॉल एक राष्ट्रीय महत्त्व की प्रमुख परियोजना है, जो "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट" (ओ.डी.ओ.पी.) को बढ़ावा देने और संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। यूनिटी माल राजस्थान के सभी जिलों के उत्पादों, टैग प्राप्त वस्तुओं, पारंपरिक कला, शिल्प और संस्कृति को प्रदर्शित व विपणन करने के लिए एक केंद्रीय मंच प्रदान करेगा। इससे स्थानीय कारीगरों, उद्यिमयों और को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच और स्थायी आजीविका के अवसर मिलेंगे। निर्माण और संचालन दोनों चरणों में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। यह परियोजना वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया अभियानों को भी मजबूती देगी।

वहीं राजस्थान मंडपम, राज्य का एक ऐसा कन्वेन्शन सेंटर होगा जो जयपुर को वैश्विक व्यापार और सम्मेलन मानचित्र पर स्थापित करेगा। यहां एक ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर की भी योजना है, जहां अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने बैकएंड कार्यों का संचालन करेंगी, जिससे राजस्थान में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। इससे राजस्थान के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और उन्हें अन्य महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह राजस्थान का पहला ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर होगा।

रीको प्रशासन का कहना है कि, इन परियोजनाओं के बारे में फैलाई जा रही भ्रामक या तथ्यहीन जानकारी पूर्णत: असत्य एवं प्रेरित है। रीको इन परियोजनाओं को सभी कानूनी और पर्यावरणीय नियमों का पूर्ण पालन करते हुए कार्यान्वित कर रहा है, ताकि राजस्थान का औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक विकास तीव्र गति से हो सके।

गाँधी, जिन्ना, अंबेडकर व आजादी की किताब पर चर्चा

जयपुर । भारत की आज़ादी की कहानी के तीन प्रमुख पात्रों गांधी, जिन्ना और अंबेडकर को एक बार फिर नई दृष्टि से देखते हुए आई श्रमजीवी पत्रकार प्रतुल सिन्हा की पुस्तक "गांधी जिन्ना अंबेडकर और आजादी" पर रविवार को राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति में गोलमेज संवाद आयोजित किया गया।

साहित्यगार द्वारा प्रकाशित प्रतुल सिन्हा की किताब "गांधी, जिन्ना, आंबेडकर और आजादी" पर चर्चा में राजस्थान विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ.सी. पी. जोशी ने कहा कि महात्मा गांधी ने देश की आजादी के लिए आम आदमी को मोबिलाइज किया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के साथ ही देश भर में घूम-घूम कर यह महसूस किया कि अंग्रेजों को कैसे हराया जा सकता है और उसी के अनुरूप उन्होंने सत्य अहिंसा और सत्याग्रह जैसे हथियारों का उपयोग किया। पूर्व मंत्री डॉ.बी. डी. कल्ला ने कहा कि इस शोधपरक पुस्तक में इतिहास को नए नजरिए से प्रदर्शित किया गया है.महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों को वोट का अधिकार दिलाया और उन्होंने देश में वैज्ञानिक रूप से कार्य कर आजादी दिलाई। विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने पुस्तक का विश्लेषण करते हुए कहा कि आजादी से पूर्व के 70 साल के कालखंड को लेखक ने पूरी निष्पक्षता के साथ सच को ढूंढ कर निकालने का प्रयास किया है, पुस्तक में महात्मा गांधी की तारीफ और गलतियों को बेबाकी के साथ लिखा है।